उत्तर प्रदेश शासन

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3

संख्या-27/2026/364 के-2/22-3-2025-17(782)/23

लखनऊ: दिनांक: 22 जनवरी, 2026

आदेश

उत्तर प्रदेश के श्री राज्यपाल, "भारत का संविधान" के अनुच्छेद-161 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए नारी बंदी, निकेतन लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी अमीना बेगम (बन्दी संख्या-1967) पुत्री श्री बाबूलाल, निवासी-लुक्खी नारायण, थाना-देवीगौड़ा फुलवारी वेस्ट बंगाल, हाल पता-सिरसावों, थाना-गोसाईंगंज, जनपद-लखनऊ, जिसे सत्र परीक्षण संख्या-657/2011 में भा0द0वि0 की धारा-302 के अन्तर्गत मा0 न्यायालय, अपर जिला सत्र एवं न्यायाधीश, कक्ष सं0-10 लखनऊ के दण्डादेश दिनांक 22.03.2013 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बंदी द्वारा दिनांक 08.12.2022 तक 11 वर्ष, 09 माह, 16 दिन की अपरिहार सजा तथा 14 वर्ष, 05 माह, 22 दिन की भोगी गई सपरिहार सजा, बंदी की आयु 61 वर्ष, 08 माह, 16 दिन व जेल आचरण संतोषजनक होने के दृष्टिगत शेष सजा का परिहार करते है तथा यह आदेश देते हैं कि यदि उक्त बंदी को किसी अन्य वाद में निरूद्ध रखा जाना वांछित न हो तो उसे अपनी शेष दण्डावधि में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिये जिला मजिस्ट्रेट, लखनऊ के संतोषानुसार दो जमानतें तथा उतनी ही धनराशि का एक निजी मुचलका प्रस्तुत करने पर बन्दी को कारागार से मुक्त कर दिया जाय।

कमलेश कुमार

उप सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव।

1- पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0प्र0 लखनऊ।

2- जिला मजिस्ट्रेट, लखनऊ।

3- पुलिस आयुक्त, लखनऊ।

4- अधीक्षक, नारी बंदी निकेतन लखनऊ।

5- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2, उ0प्र0 शासन।

6- निजी सचिव, मा0 मंत्री जी/मा0 राज्यमंत्री जी, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।

7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

ममता श्रीवास्तव

अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up.gov.in